स्वतंत्रता दिवस 2010 हेतु अध्यक्ष महोदय का उद्बोधन

स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशकगण, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित देवियों एवं बच्चों। देश के महान सपूतों को नमन करते हुए आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

आप सभी जानते है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सहित अनेक वीर सपूतों के बलिदान से ही हमें आजादी मिली थी। ऐसे राष्ट्रीय पर्व हमारे अतीत, आज और कल के बारे में हमें चितंन करने के लिए प्रेरित करते है। आजादी से लेकर आज तक का इतिहास बताता है कि देश के सभी राज्यों ने हरेक क्षेत्र में प्रगति की है, किंतु नया राज्य होने के बावजूद हमारे छत्तीसगढ़ की तेज प्रगति हमें बहुत अधिक गर्व प्रदान करती है।

खनिजों के साथ ही मेहनती लोगों का राज्य है– छत्तीसगढ़। बिजली की भरपूर उपलब्धि ने कृषि, उद्योग, आदि क्षेत्रों में यहां बेजोड़ वृद्धि की है। इसका पूरा श्रेय प्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्रीजी के साथ ही ऊर्जा विभाग के सभी अधिकारियों–कर्मचारियों को जाता है। इसके लिए आप सभी हार्दिक बधाई के पात्र है।

भरपूर ऊर्जा के बिना तेज उन्नति करना संभव नही है, अतः उन्नति की गति को बढ़ाने के लिए नये विद्युत गृहों के निर्माण कार्य में हमने तेजी लाई है। पिछले 5 वर्षो में हमारी उत्पादन क्षमता 1360 मेगावॉट से बढ़कर 1924.7 मेगावॉट हो गई है। आगे वर्ष 2012 तक 1000 मेगावॉट क्षमता की मड़वा–तेन्दूभाठा तथा 500 मेगावॉट क्षमता की कोरबा पश्चिम विस्तार परियोजना आरंभ हो जाएंगी। इसमें से मड़वा परियोजना की पहली इकाई का बॉयलर ड्रम समय पूर्व स्थापित करने के लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं। इन इकाईयों के आरंभ होने पर हमारी उत्पादन क्षमता 3400 मेगावॉट हो जाएगी।

मुझे बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे कर्मियों की ईमानदार, कोशिश के कारण ही हमारा प्लांट यूटिलाईजेशन फैक्टर 65.72 प्रतिशत से बढ़कर 85.25 प्रतिशत तक जा पहुंचा है, जो कि राष्ट्रीय स्तर से बहुत अधिक है। ऐसी श्रेष्ठ परंपरा को आगे भी आप बनाये रखेंगे मुझे पूरा विश्वास है।

विद्युत उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ पारेषण प्रणाली को भी हमने काफी उन्नत किया है। आज हमारे पास तीन हजार मेगावॉट बिजली के पारेषण की क्षमता उपलब्ध है। वर्ष 1982 के बाद पहली बार प्रदेश में 400 केव्ही. क्षमता की 400 किलोमीटर लम्बी लाइन के साथ ही इसी क्षमता के दो बड़े उपकेन्द्रों का निर्माण हम करने जा रहे है। आगामी तीन वर्षो में पारेषण प्रणाली को मजबूत करने हेतु हमने 2200 करोड़ रूपये की कार्ययोजना बनायी है। इसके अंतर्गत अनेक अतिउच्चदाब लाइनों एवं उपकेन्द्रों का निर्माण करने की योजना है।

आज प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की संख्या 29 लाख तक पहुंच गई है। प्रतिव्यक्ति बिजली की खपत 860 यूनिट दर्ज हो रही है। ये आंकड़े उपभोक्ताओं की सेवा–सुविधा में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शाते है। आज 97 प्रतिशत से अधिक गांवों तक बिजली पहुंचाने में सफलता मिली है। एकलबत्ती कनेक्शन एवं नये पम्प कनेक्शन देने के मामले में भी छत्तीसगढ़ में रिकार्ड तोड़ काम हुआ है। इन कार्यो से गरीबों के घर रोशनी और किसानों के खेतों में साल भर हरियाली दिखाई दे रही है। यह विद्युत कर्मियों के सफल प्रयासों का ही परिणाम है। इसे और बेहतर बनाने की दिशा में हमने निम्नदाब लाइनों एवं उपकेन्द्रों के निर्माण में तेजी लाई है।

सफलता की सीढ़ी चढ़ते हुए हमारे सामने कुछ चुनौतियां भी है। जैसे बिजली चोरी को रोकना, पारेषण एवं वितरण हानि में कमी लाना तथा बकाया राजस्व की वसूली करना। इन कार्यो में कड़ाई लाकर हम अपनी कंपनी को और अधिक मजबूत बना सकते है। इसे रोकने का संकल्प लेकर आप आगे बढ़ेगे मुझे पूरा विश्वास है।

उपभोक्ताओं को सुविधा देने हेतु अनेक नये कार्यालयों की स्थापना तथा विद्युत देयकों के भुगतान हेतु 50 एटीपी मशीन लगाई गई है। इंटरनेट तथा एसबीआई के एटीएम से भी बिल भुगतान की सुविधा दी गई है। प्रदेश में स्पॉट बिलिंग योजना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इससे औसत मासिक राजस्व संग्रहण 295 करोड़ तक जा पहुंचा है। जबकि वर्ष 2001–02 में यह केवल 161 करोड़ के करीब था, अर्थात राजस्व संग्रहण में 79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पॉवर कंपनी के मुखिया होने के नाते मैं कहना चाहूंगा कि कर्मचारियों अधिकारियों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अब तक हमनें 1341 अनुकंपा नियुक्ति दी है। जिसकी सराहना माननीय मुख्यमंत्रीजी ने करते हुए इसे अन्य विभागों के लिए प्रेरक कहा है। हाल ही में विद्युत कर्मियों को नये वेतनमान का लाभ दिया गया है। इसी तरह 1669 कर्मचारियों, 88 अधिकारियों को उच्च वेतनमान तथा 369 कर्मचारियों तथा 242 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के भत्तों के भुगतान, चिकित्सा सुविधा में वृद्धि संबंधी मामलों में कर्मचारियों के हित में यथासमय निर्णय लिये गये है। आगे भी कर्मियों के हित का ध्यान सदैव रखा जाएगा। इसी कम में नये अधिकारियो–कर्मचारियों से आशा करता हूं कि श्रमिक शांति को बनाये हुये बेहतर कार्य संस्कृति का परिचय देंगे और कंपनी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रौशन करेंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि कर्मचारियो–अधिकारियों के हित में जिस तरह कंपनी प्रबंधन ने कदम उठाये है उसी तरह आज के समारोह में पुरस्कृत हुए अधिकारियों–कर्मचारियों की मैं सराहना करता हूं और आशा व्यक्त करता हूं कि हमारे अन्य कर्मी भी इनसे प्रेरणा लेंगे।

अन्त में एक बार पुनः अमर शहीदों को नमन एवं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देने के साथ ही अपनी बात समाप्त करता हूं।

जय हिन्द